'भारत और भूटान के संबंध अनूठे, विशिष्ट और अनुकरणीय हैं', लोक सभा अध्यक्ष

नई दिल्ली, 10 अगस्त, 2015: लोक सभा अध्यक्ष, श्रीमती सुमित्रा महाजन ने आज संसदीय ज्ञानपीठ में भूटान की नेशनल असेम्बली के स्पीकर महामहिम श्री ल्योन्पो जिग्मे जांग्पो और भूटान की नेशनल काउंसिल के चेयरमैन महामहिम (डा.) सोनम किंगा के संयुक्त नेतृत्व में आए भूटान के संसदीय शिष्टमंडल से मुलाकात की ।

शिष्टमंडल का स्वागत करते हुए श्रीमती महाजन ने कहा कि भारत और भूटान के संबंध अनूठे, विशिष्ट और अनुकरणीय हैं । उन्होंने कहा कि भारत और भूटान इतिहास, भूगोल, संस्कृति, सभ्यता, आध्यात्मिक संबंध और बौद्ध सिद्धांतों की दृष्टि से जुड़े हैं और दोनों देशों के शांति, प्रेम और भाईचारे के मूल्य समान हैं। विश्व के कोई भी अन्य दो देश बाहरी रूप से जनसंख्या और आकार की दृष्टि से भिन्न होते हुए भी इतने स्वाभाविक मित्र और साथी नहीं हैं । बौद्ध संत पद्मसंभव (गुरू रिमपोछे) उनके बीच की साझा कड़ी हैं और उनके आदान-प्रदान की लंबी परंपरा के प्रतीक हैं । उन्होंने कहा कि परम राष्ट्रीय सुख के दर्शन और आदर्शों ने पूरे विश्व का ध्यान अपनी ओर खींचा है और भारत में भी इसका स्वागत हुआ है ।

श्रीमती महाजन ने आगे कहा कि आर्थिक और सुरक्षा सहयोग के मामले में भारत और भूटान की भागीदारी सार्क क्षेत्र और अन्य क्षेत्र के लिए भी मित्रता का ज्वलंत उदाहरण है । पर्यटन, शिक्षा, अकैडमिक्स, खेल, फिल्म सहयोग के कुछ महत्वपूर्ण क्षेत्र हैं । भारत भूटान के सामाजिक, आर्थिक विकास में योगदान करने के लिए अपने ज्ञान, अनुभव और संसाधनों को साझा करने के लिए प्रतिबद्ध है । उन्होंने कहा कि भारत का जल विद्युत सहयोग परस्पर लाभ का ज्वलंत उदाहरण है जिसमें भारत को स्वच्छ ऊर्जा प्राप्त होती है और उसके बदले भूटान को निर्यात राजस्व प्राप्त होता है ।

इस बात का उल्लेख करते हुए कि भारत इस दौरे को अत्यधिक महत्व देता है और दोनों देशों के बीच संसदीय आदान-प्रदान में वृद्धि की आशा करता है । उन्होंने कहा कि भूटान के साथ संबंध भारत की विदेश नीति का सर्वाधिक वरीयता प्राप्त क्षेत्र है । उनका मत था कि संसदीय शिष्टमंडल के दौरे से दोनों देशों के लोगों में घनिष्ठता बढ़ती है और आगे के सहयोग के लिए परस्पर समझ को बढ़ावा मिलता है । उन्होंने कहा कि अंतर-संसदीय संघ जैसे अंतर्राष्ट्रीय मंचों में भी दोनों देशों में सहयोग रहता है । भारत भूटान की संसद के लिए आवश्यक हर संभव सहायता और सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध है ।

इसके प्रत्युत्तर में दौरे पर आए नेशनल असेम्बली के स्पीकर और भूटान की नेशनल काउंसिल के चेयरमैन महामहिम श्री जिग्मे जांग्पो ने उनके शिष्टमंडल के भव्य आतिथ्य सत्कार के लिए लोक सभा अध्यक्ष को धन्यवाद दिया । उन्होंने आशा व्यक्त की कि द्विपक्षीय संबंधों से आर्थिक, पर्यावरणीय और अन्य क्षेत्रों में प्रचुर संभावनाओं का और दोहन हो सकेगा ।